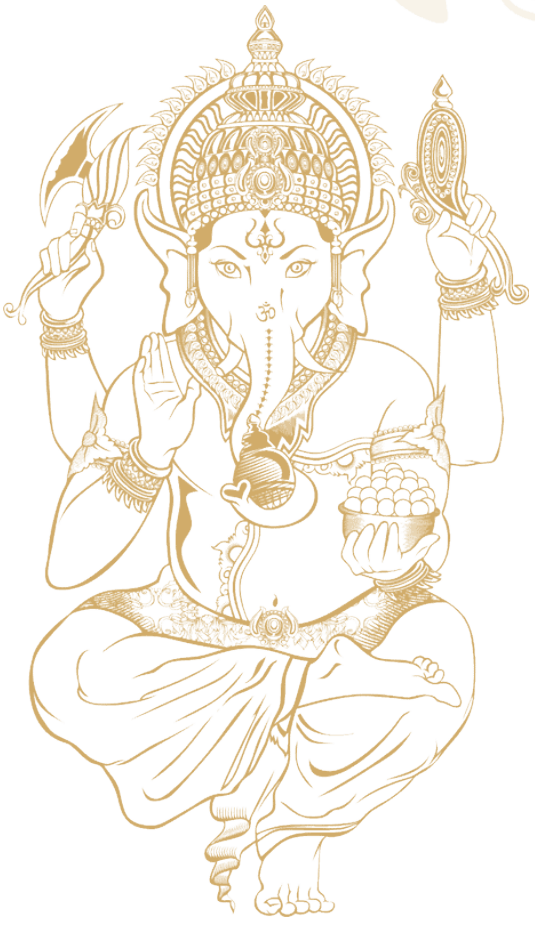

Kshitij

Parul

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120857601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120857601 Date: 07/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/10/1991	जन्म तिथि	20/08/1992
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 22:10:00	जन्म समय	07:40:00 घंटे
घटी 39:11:07	जन्म समय(घटी)	04:34:45 घटी
India	देश	India
Saharanpur	स्थान	Dehradun
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व	रेखांश	78:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:33	सूर्योदय	05:47:40
17:37:42	सूर्यास्त	18:54:02
23:44:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:33

मिथुन	लग्न	सिंह
बुध	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मिथुन	राशि	मेष
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
मृगशिरा	नक्षत्र	भरणी
मंगल	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	2
शिव	योग	वृद्धि
तैतिल	करण	विष्टि
की-किशोर	जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
सर्प	योनि	गज
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 0वर्ष 6मा 4दि		21:51:20	मिथु	लग्न	सिंह	26:52:27	शुक्र 13वर्ष 4मा 17दि	
गुरु		10:00:51	तुला	सूर्य	सिंह	03:33:06	मंगल	
02/05/2010		05:41:22	मिथु	चंद्र	मेष	17:44:42	07/01/2022	
02/05/2026		13:39:49	तुला	मंगल	वृष	22:14:52	07/01/2029	
गुरु	19/06/2012	25:00:09	तुला	बुध	कर्क	15:08:06	मंगल	05/06/2022
शनि	01/01/2015	15:00:51	सिंह	गुरु	सिंह	25:13:10	राहु	23/06/2023
बुध	08/04/2017	23:36:54	सिंह	शुक्र	सिंह	22:00:28	गुरु	29/05/2024
केतु	15/03/2018	06:52:16	मक	शनि व	मक	20:26:29	शनि	08/07/2025
शुक्र	13/11/2020	18:30:12	धनु व	राहु व	धनु	04:57:06	बुध	05/07/2026
सूर्य	01/09/2021	18:30:12	मिथु व	केतु व	मिथु	04:57:06	केतु	02/12/2026
चन्द्र	01/01/2023	16:42:20	धनु	हर्ष व	धनु	20:44:39	शुक्र	01/02/2028
मंगल	08/12/2023	20:30:49	धनु	नेप व	धनु	22:48:22	सूर्य	07/06/2028
राहु	02/05/2026	25:53:14	तुला	प्लूटो	तुला	26:30:17	चन्द्र	07/01/2029

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:49 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:33

लग्न-चलित

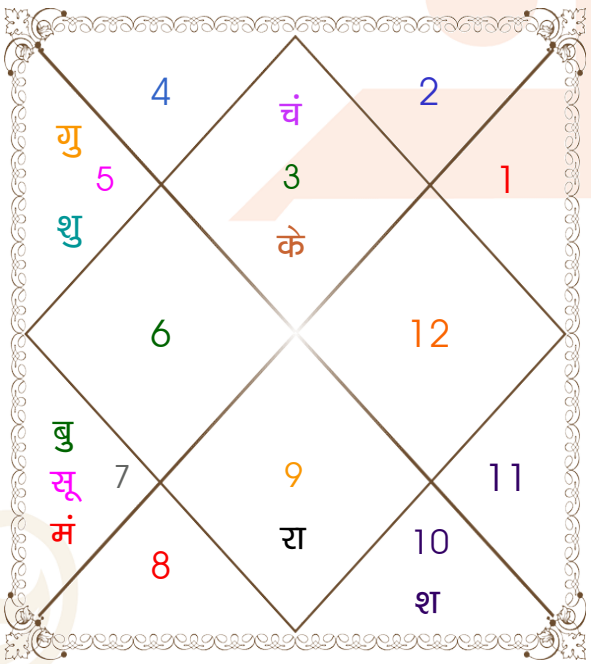

लग्न-चलित

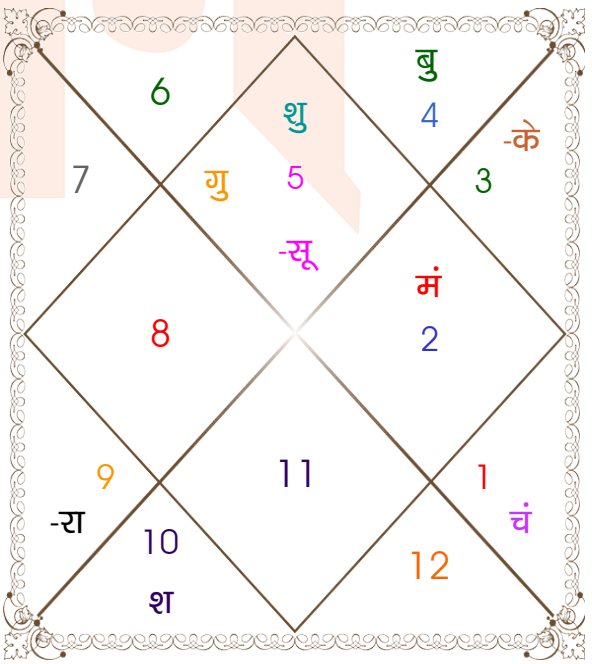

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

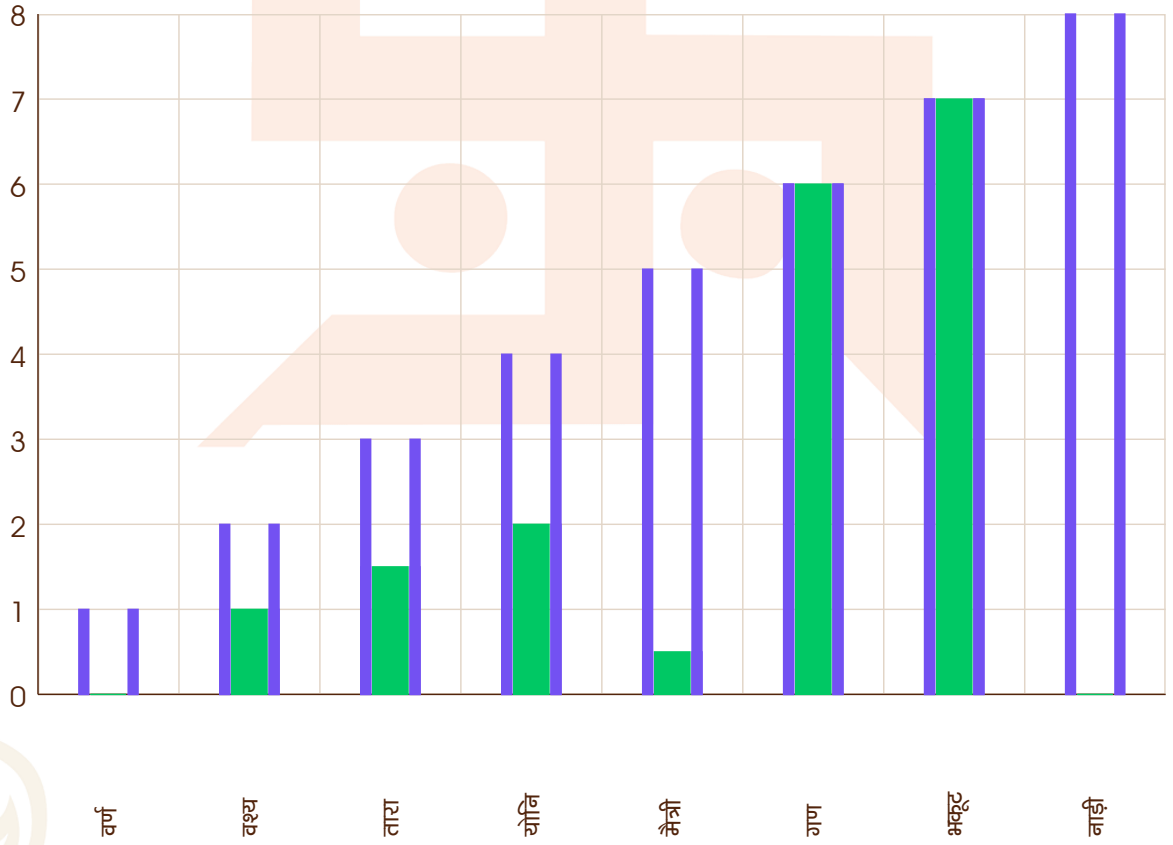

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि झींपजपर का नक्षत्र मृगशिरा है।

झींपजपर का वर्ग मार्जार है तथा चंतनस का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झींपजपर और चंतनस का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

झींपजपर मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

चंतनस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

झींपजपर तथा चंतनस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

झींपजपर का वर्ण शूद्र है तथा चंतनस का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें चंतनस का वर्ण झींपजपर के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण चंतनस अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। चंतनस का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए झींपजपर को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

झींपजपर का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं चंतनस का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप झींपजपर एवं चंतनस दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। चंतनस अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में झींपजपर अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

झींपजपर की तारा क्षेम तथा चंतनस की तारा वध है। चंतनस की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह झींपजपर एवं चंतनस दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। चंतनस अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

झींपजपर की योनि सर्प है तथा चंतनस की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को

लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में झींपजपर का राशि स्वामी च्ंतनस के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि च्ंतनस का राशि स्वामी झींपजपर के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

झींपजपर का गण देव तथा च्ंतनस का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु च्ंतनस अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

झींपजपर से च्ंतनस की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा च्ंतनस से झींपजपर की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण झींपजपर परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले

होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर चंतनस हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

झीपजपर की नाड़ी मध्य है तथा चंतनस की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में झीपजपर एवं चंतनस का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

झींपजपर की जन्म राशि वायु तत्व युक्त मिथुन राशि है तथा च्ंतनस की अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है। वायुतत्व एवं अग्नि तत्व की परस्पर मित्रता एवं समानता के कारण झींपजपर और च्ंतनस में स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेगी। जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा। च्ंतनस की अग्नि तत्व राशि से यदा कदा परस्पर तनाव उत्पन्न होगा परन्तु वायुतत्व प्रधान झींपजपर के प्रभाव से तनाव में कमी आएगी तथा स्थिति सामान्य हो जाएगी।

झींपजपर का राशि स्वामी बुध तथा च्ंतनस का राशि स्वामी मंगल परस्पर शत्रु एवं सम है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष सुखद नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से गलतफहमियों या भ्रांतियों के कारण इनके मध्य अधिकांश विवाद उत्पन्न होंगे जिससे संबधों की मधुरता में न्यूनता आएगी परन्तु झींपजपर अपनी शांति एवं बुद्धिमता की प्रवृति से इसका समाधान करने में समर्थ होंगे फलतः तनाव में कमी आएगी।

झींपजपर और च्ंतनस की राशियां परस्पर तृतीयएकादश भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से झींपजपर और च्ंतनस आर्थिक दृष्टि से सुसम्पन्न रहेंगे तथा अपने परिश्रम एवं योग्यता से धनार्जन करेंगे। साथ ही अपने परस्पर विवादों को शांति एवं बुद्धिमता पूर्वक समाधान करेंगे जिससे मधुर संबधों में वृद्धि होगी।

झींपजपर का वश्य मानव एवं च्ंतनस का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं चतुष्पद में असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः झींपजपर और च्ंतनस की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी जिससे परस्पर संबधों में मधुरता की कमी रहेगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

झींपजपर का वर्ण शूद्र तथा च्ंतनस का वर्ण क्षत्रिय है। अतः च्ंतनस उत्साही पराक्रमी एवं साहसी महिला होंगी तथा ऐसे ही कार्यो को सम्पन्न करेंगी परन्तु झींपजपर की प्रवृति कार्य विशेष में न होकर किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने में रहेगी जिससे दोनों के कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी परन्तु यदा कदा च्ंतनस की अपेक्षा झींपजपर के मन में हीनता की भावना उत्पन्न हो सकती है।

धन

झींपजपर और च्ंतनस की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। झींपजपर एवं च्ंतनस की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से झींपजपर और च्ंतनस की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों

में वृद्धि होगी।

झींपजपर को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार झींपजपर और चंतनस धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

झींपजपर और चंतनस दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे झींपजपर और चंतनस दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से झींपजपर को धातु संबंधी तथा चंतनस को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से झींपजपर और चंतनस का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से इनको समय पर संतति प्राप्त होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों की अवस्था में अंतर भी अधिक नहीं रहेगा। इनकी कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संततियां अधिक मात्रा में होंगी।

सामान्यतया अन्य महिलाओं की तरह चंतनस भी प्रसव संबंधी कष्ट के विषय में चिंतित रहेंगी परन्तु उनको इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि इनके सभी प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होंगे तथा प्रसव संबंधी कोई भी समस्या नहीं होगी। चंतनस को गर्भपात या अन्य प्रसूति चिकित्सा संबंधी भय भी त्याग देना चाहिए। वह सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी स्वस्थता की ही अनुभूति करेंगी।

इनके सभी बच्चे व्यवहार कुशल एवं अपने क्षेत्र में स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे लेकिन माता की अपेक्षा पिता के लिए वे विशेष आज्ञाकारी रहेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी अपनी बुद्धिमता एवं योग्यता से सर्वदा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। इस प्रकार माता पिता को अपने सुदंर स्वस्थ एवं बुद्धिमान बच्चों पर गर्व की अनुभूति होगी तथा सुख शांति एवं प्रसन्नता से अपने पारिवारिक जीवन को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

ससुराल-सुश्री

चंतनस के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि चंतनस धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से च्तनस के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी च्तनस का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी च्तनस से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

ड्डीपजपर की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर ड्डीपजपर सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ड्डीपजपर ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का ड्डीपजपर के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।